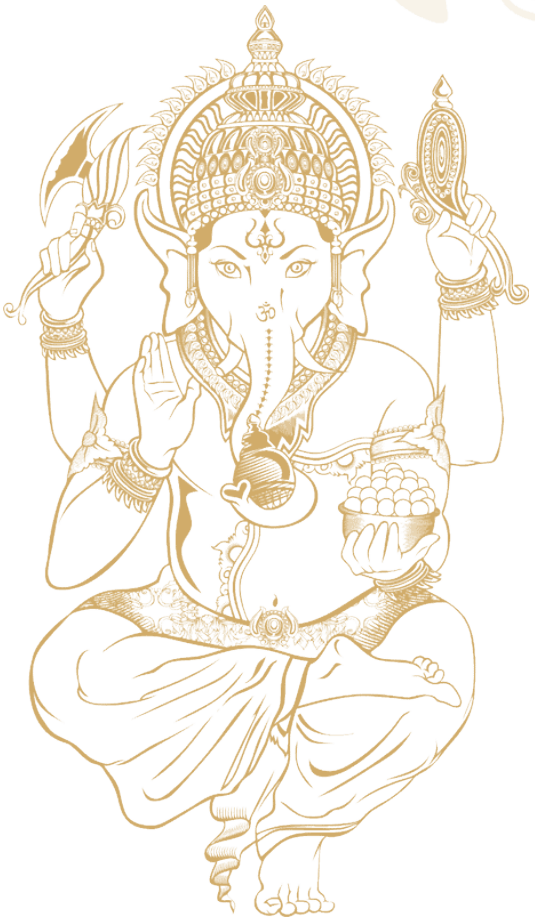

31 May 2025

12:25 PM

Anakapalle

Model: web-freekundliweb

Order No: 121046803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:25:00 घंटे**
इष्ट	17:37:02 घटी
स्थान	**Anakapalle**
राज्य	Andhra Pradesh
देश	India

अक्षांश	17:42:00 उत्तर
रेखांश	83:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:27:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:03:31 घंटे
सूर्योदय	05:22:11 घंटे
सूर्यास्त	18:28:34 घंटे
दिनमान	13:06:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:52:35 वृष
लग्न के अंश	22:17:45 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:17:45	343:39:39	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृष	15:52:35	00:57:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	11:48:44	13:28:30	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कर्क	26:28:01	00:31:54	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	वृष	17:15:30	02:12:02	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	03:37:40	00:13:25	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	00:02:02	00:57:17	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
शनि			मीन	06:13:33	00:04:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	29:49:47	00:05:09	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	29:49:47	00:05:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:51:22	00:03:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:38:25	00:01:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:26:47	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	22:47:33	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:45

लग्न-चलित

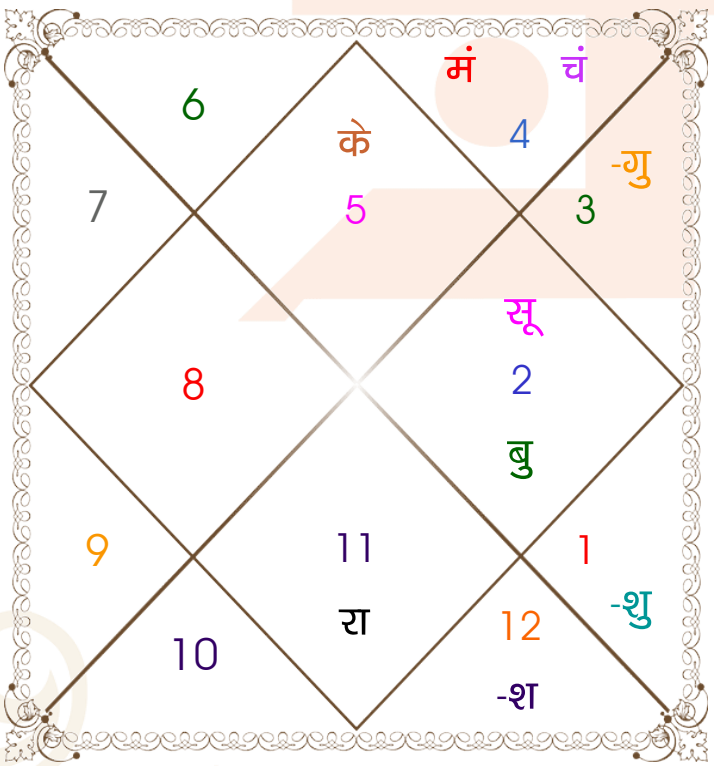

चन्द्र कुंडली

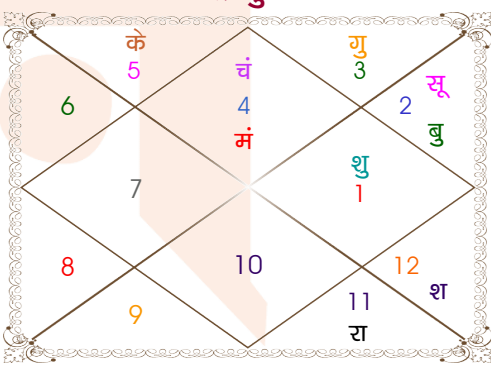

नवमांश कुंडली

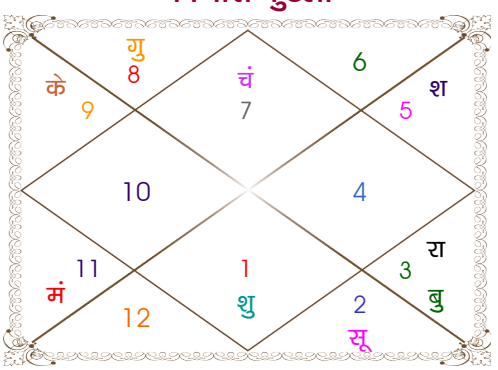

Jyotish
Azamgarh Mau madhuban
9648770723
shivdutttiwari12345@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 11 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/05/2025		01/05/2032		01/05/2049		01/05/2056		01/05/2076	
01/05/2032		01/05/2049		01/05/2056		01/05/2076		01/05/2082	
	00/00/0000	बुध	27/09/2034	केतु	27/09/2049	शुक्र	31/08/2059	सूर्य	18/08/2076
	00/00/0000	केतु	25/09/2035	शुक्र	27/11/2050	सूर्य	30/08/2060	चंद्र	17/02/2077
	00/00/0000	शुक्र	25/07/2038	सूर्य	04/04/2051	चंद्र	01/05/2062	मंगल	25/06/2077
	00/00/0000	सूर्य	01/06/2039	चंद्र	03/11/2051	मंगल	01/07/2063	राहु	19/05/2078
	31/05/2025	चंद्र	30/10/2040	मंगल	31/03/2052	राहु	01/07/2066	गुरु	08/03/2079
चंद्र	03/11/2025	मंगल	28/10/2041	राहु	19/04/2053	गुरु	01/03/2069	शनि	18/02/2080
मंगल	12/12/2026	राहु	16/05/2044	गुरु	26/03/2054	शनि	01/05/2072	बुध	24/12/2080
राहु	18/10/2029	गुरु	22/08/2046	शनि	04/05/2055	बुध	02/03/2075	केतु	01/05/2081
गुरु	01/05/2032	शनि	01/05/2049	बुध	01/05/2056	केतु	01/05/2076	शुक्र	01/05/2082

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/05/2082		01/05/2092		01/05/2099		02/05/2117		02/05/2133	
01/05/2092		01/05/2099		02/05/2117		02/05/2133		00/00/0000	
चंद्र	02/03/2083	मंगल	27/09/2092	राहु	13/01/2102	गुरु	20/06/2119	शनि	05/05/2136
मंगल	01/10/2083	राहु	15/10/2093	गुरु	07/06/2104	शनि	31/12/2121	बुध	13/01/2139
राहु	01/04/2085	गुरु	21/09/2094	शनि	14/04/2107	बुध	07/04/2124	केतु	22/02/2140
गुरु	01/08/2086	शनि	31/10/2095	बुध	01/11/2109	केतु	14/03/2125	शुक्र	23/04/2143
शनि	01/03/2088	बुध	27/10/2096	केतु	19/11/2110	शुक्र	13/11/2127	सूर्य	04/04/2144
बुध	31/07/2089	केतु	25/03/2097	शुक्र	19/11/2113	सूर्य	31/08/2128	चंद्र	01/06/2145
केतु	01/03/2090	शुक्र	26/05/2098	सूर्य	14/10/2114	चंद्र	31/12/2129		00/00/0000
शुक्र	31/10/2091	सूर्य	30/09/2098	चंद्र	13/04/2116	मंगल	07/12/2130		00/00/0000
सूर्य	01/05/2092	चंद्र	01/05/2099	मंगल	02/05/2117	राहु	02/05/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 11 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।